

विषय सूची

Contents

निदेशक की कलम से

From Director's Desk



निदेशक की कलम से / From Director's Desk 1

अनुसन्धान उपलब्धियाँ / Research achievements2-3

रोपित धान में नई पीढ़ी की कम-मात्रापर उच्च-क्षमता वाले खरपतवारनाशियों का मूल्यांकन

Evaluation of new generation low-dose high-potency herbicides in transplanted rice 2

सीधी बुआई विधि से उत्पादित धान में इमिडाजोलिनोन समूह के खरपतवारनाशियों का मूल्यांकन

Evaluation of imidazolinone group of herbicide in direct seeded rice 2

इकाईनोक्लोआ कोलोना में शाकनाशी प्रतिरोध का आणविक आधार पर अध्ययन

Studies on molecular basis of herbicide resistance in *Echinochloa colona* 3

आयोजित कार्यक्रम / Programmes organized 4

विशिष्ट आगंतुक / Distinguished visitors11

मानव संसाधन विकास / Human Resource Development11

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की गतिविधियाँ / Activities of Rajbhasha Karyanvayan Samiti12

Common weeds



साइपेरस रोटंडस *Cyperus rotundus*



साल्विनिया मोलेस्टा *Salvinia molesta*

भा.कृ.अनु.प.-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय की ओर से बधाई

फसल उत्पादन में खरपतवार एक प्रमुख जैविक बाधा हैं, जिसके कारण प्रमुख फसलों की उपज में 14–36% तक की कमी आती है। जलवायु परिवर्तन, खरपतवार वनस्पतियों के प्रकार में परिवर्तन और खरपतवारों में शाकनाशी प्रतिरोध आदि के कारण खरपतवार प्रबंधन में उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए कुशल खरपतवार प्रबंधन तकनीकों को विकसित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है, ताकि उत्पादकता और किसान की आय को बढ़ाया जा सके। भा.कृ.अनु.प.-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय बुनियादी, रणनीतिक और अनुप्रयुक्त अनुसंधान और विस्तार प्रयासों के माध्यम से इन चुनौतियों का सामना करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

कोविड-19 महामारी द्वारा उत्पन्न बाधाओं के बावजूद जुलाई-दिसंबर, 2020 के दौरान अनुसंधान और विस्तार गतिविधियाँ अनवरत चलती रहीं। कम-मात्रा पर उच्च-क्षमता वाले नई पीढ़ी के शाकनाशियाँ यानी फ्लोरप्रायूफेन-बेंजाइल+सैहलोफॉप-ब्यूटाइल (पूर्व मिश्रित) और सैहलोफॉप+पेनॉक्ससुलम (पूर्व मिश्रित) प्रत्यारोपित धान में सुरक्षित और प्रभावी पाए गए। इकाईनोक्लोआ कोलोना का कुछ जैवरूपों में इमाजेथापायर प्रतिरोध के आणविक आधार को समझने के लिए इस खरपतवार के एएलएस (एससीटो लैक्टेट सिन्थेस) जीन के प्रति विशिष्ट ओवरलैपिंग प्राइमरों को बनाया गया है।

इस दौरान निदेशालय ने 74वां स्वतंत्रता दिवस, महात्मा गांधी की 150वीं जयंती, हिंदी पखवाड़ा, भा.कृ.अनु.प. कर्मचारियों की कार्य क्षमता बढ़ाने के लिए प्रभावी स्वास्थ्य प्रबंधन पर प्रशिक्षण, सतर्कता जागरूकता सप्ताह, राष्ट्रीय एकता दिवस, संविधान दिवस, विश्व मृदा दिवस, स्वच्छता पखवाड़ा, महिला किसान दिवस, किसान दिवस इत्यादि जैसे कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया। पार्थेनियम के दुष्प्रभाव से हितग्राहियों को अवगत कराने के लिए, सभी अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजनाकेंद्र, कृषि विज्ञान केंद्रों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, भा.कृ.अनु.प. संस्थानों, कृषि विभाग, गैर सरकारी संगठनों, नगर पालिकाओं, स्कूलों और कॉलेजों आदि को शामिल करके 16–26 अगस्त, 2020 के दौरान एक देशव्यापी 'पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह' भी आयोजित किया गया। अनुसूचित जाति के किसानों को लाभान्वित करने के लिए, 8 गांवों के 148 किसानों को एससीएसपी कार्यक्रम के तहत आम, अमरुद और नींबू के पौधे वितरित किए गए। खरपतवार समाचारके इसअंक को समय पर संकलित और प्रकाशित करने के लिए मैं संपादकीय टीम और निदेशालय के अन्य कर्मचारियों को उनके ईमानदार प्रयासों के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करता हूँ।

Greetings from ICAR-DWR

Weeds are one of the major biotic stresses in crop production causing significant reduction in crop yields to the tune of 14-36% in major field crops. In order to tackle the emerging challenges in weed management due to climate change, weed flora shift and herbicide resistance in weeds, etc., it is of utmost importance to develop efficient weed management technologies for increasing productivity and farmer's income. The ICAR-Directorate of Weed Research (DWR) has been continuously striving to address these challenges through basic, strategic and applied research and extension efforts.

During July-December, 2020, the research and extension activities continued to gain momentum in spite of the limitations posed by the COVID-19 pandemic. New generation low-dose high-potency herbicide molecules viz. florypyrauxifen-benzyl+cyhalofop-butyl (readymix) and cyhalofop+penoxsulam (pre-mix) were found safe and effective in transplanted rice. Overlapping pairs of primers specific to the ALS (Acetolactate synthase) gene of *Echinochloa colona* have been synthesized for studying the molecular basis of imazethapyr resistance in some biotypes of this weed.

Many important events and activities including 74th Independence Day, celebration of 150th birth anniversary of Mahatma Gandhi, Hindi Pakhwada, training on "Effective Health Management for Enhancing Work Efficiency of ICAR Employees", Mahila Kisan Diwas, Vigilance Awareness Week, National Integration Day Pledge, World Soil Day, Swachhta Pakhwada and Kisan Diwas were organized by the Directorate during the period. To make the public aware of the ill effects of Parthenium, a country-wide "Parthenium Awareness Week" was also organized during 16-26 August, 2020 involving all AICRP on Weed Management centres, Krishi Vigyan Kendras, State Agricultural Universities, ICAR institutes, State Department of Agriculture, NGOs, Municipalities, schools and colleges, etc. In order to benefit the Scheduled Castes farmers, 148 farmers of 8 villages were distributed with fruit saplings of mango, guava and lemon under SCSP programme. I express my appreciation to the Editorial team and other staff members of the Directorate for their sincere efforts in compiling and bringing out this Newsletter in time.

अनुसन्धान उपलब्धियाँ / Research achievements

रोपाई धान में नई पीढ़ी की कम-मात्रा पर उच्च-क्षमता वाले खरपतवारनाशियों का मूल्यांकन

विजय कुमार चौधरी एवं आर.पी. दुबे

फसलों में खरपतवार एक बड़ा जैविक अवरोध हैं, जिसके कारण रोपाई वाले धान में 50% तक की उपज में हानि होती है। इस स्थिति में, व्यापक खरपतवार नियंत्रण के लिए कम-मात्रा पर उच्च-क्षमता वाले खरपतवारनाशी, इसके नुकसान को कम कर सकती है। व्यापक खरपतवार नियंत्रण करने वाली नई खरपतवारनाशी फ्लोरपिरुक्सिफेन-बेंजाइल (रिंस्कोर) + सैहलोफॉप-ब्यूटाइल (पूर्व मिश्रित) की 150 ग्राम/हेक्टेयर को रोपाई के 18 दिन बाद प्रयोग करने पर 5.53 टन/हेक्टेयर अनाज उत्पादन के साथ 98% खरपतवार नियंत्रण दक्षता प्राप्त की गई। सैहलोफॉप + पेनॉक्सुलम (पूर्व मिश्रित) की 135 ग्राम/हेक्टेयर का छिड़काव से 93% खरपतवार नियंत्रण दक्षता और 5.06 टन/हेक्टेयर अनाज उत्पादन प्राप्त की गई। ये उपचार 20 और 40 दिनों पश्चात निराई से भी बेहतर थे।



सीधी बुआई विधि से उत्पादित धान में इमिडाजोलिनोन समूह के खरपतवारनाशियों का मूल्यांकन

विजय कुमार चौधरी एवं आर.पी. दुबे

सीधी बुआई विधि से उत्पादित धान में खरपतवारनाशी प्रतिरोधी खरपतवार और जंगली धान प्रमुख समस्या है। उपरोक्त खरपतवारों के खतरे को कम करने के लिए तत्काल तकनीकी हस्तक्षेप अति आवश्यक है। फुलपेजज्ड तकनीक (इमिडाजोलिनोन सहनशील) समावेशित संकर धान इमाजेथापायर के प्रति सहनशील पाया गया। इमाजेथापायर की 100 से 200 ग्राम/हेक्टेयर की दर से अंकुरण के 14 दिन (जल्दी) और 28 दिन पश्चात (देर) से डालने पर उत्कृष्ट खरपतवार नियंत्रण एवं उच्च उपज प्राप्त हुई।



Evaluation of new generation low-dose high-potency herbicides in transplanted rice

V.K. Choudhary and R.P. Dubey

Weeds are major biotic constraints, causing yield loss to the tune of 50% in transplanted rice. Under this situation, a low-dose high potency herbicide with broad-spectrum weed control ability would be helpful to minimize weed menace. New broad-spectrum herbicide florpyprouxifen-benzyl (Rinskor) + cyhalofop-butyl (pre-mix) 150 g/ha applied at 18 days after transplanting (DAT) provided 98% weed control efficiency with 5.53 t/ha yield. Application of cyhalofop+penoxsulam (pre-mix) 135 g/ha gave 93% weed control efficiency and 5.06 t/ha yield. These treatments were found better than two hand weeding operations at 20 and 40 DAT.



Evaluation of imidazolinone group of herbicide in direct seeded rice

V.K. Choudhary and R.P. Dubey

Herbicide resistant weeds and weedy rice are major problem in direct seeded rice. There is urgent need of technological intervention to minimize the menace of above mentioned weeds. FullPageTM technology (imidazolinone tolerant) hybrid rice was found tolerant against imazethapyr. The excellent weed control and higher yield was obtained when imazethapyr was applied at 100 to 200 g/ha at 14 DAS (early-post) and 28 DAS (late post).



इकाईनोक्लोआ कोलोना में शाकनाशी प्रतिरोध का आणविक आधार पर अध्ययन

दीपक पवार, शोभा सोंधिया एवं सुभाष चंदर
शाकनाशी प्रतिरोध प्राकृतिक चयन का एक सामान्य और अनुमानित परिणाम है। उस संदर्भ में, किसी भी शाकनाशी परिचय से पहले ही जंगली खरपतवार आबादी में शाकनाशी प्रतिरोध प्रदान करनेवाले दुर्लभ उत्परिवर्तन मौजूद होते हैं। यह उत्परिवर्तन समय की अवधि के साथ प्रत्येक शाकनाशी उपचार के बाद बढ़ते जाते हैं; जब वे प्रमुख हो जाते हैं उस समय खरपतवार की आबादी को शाकनाशी प्रतिरोधी कहा जाता है।

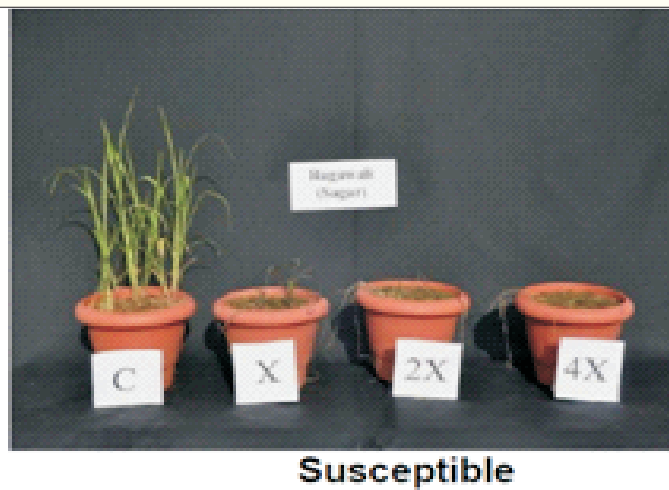
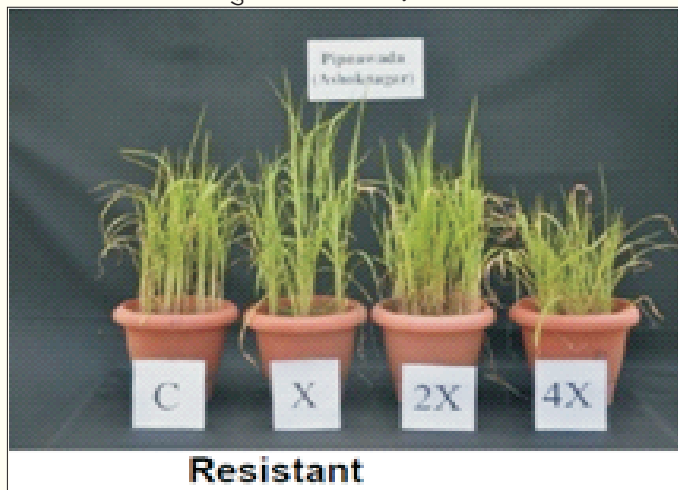
इकाईनोक्लोआ कोलोना में इमाजेटापायर प्रतिरोध के आणविक आधार को समझने के लिए, मध्यप्रदेश के 20 सोयाबीन उगाने वाले जिलों (इंदौर, उज्जैन, धार, रतलाम, मंदसौर, आगरा, राजगढ़, शाजापुर, भोपाल, दमोह, सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, अशोकनगर, गुना, देवास, हरदा, सीहोर, होशंगाबाद और रायसेन) से एकत्रित किये गए जैवरूपों का उपयोग किया गया। इकाईनोक्लोआ कोलोना के बीज प्लास्टिक के बर्तन में बोए गए थे। पौधों की 4-5 पत्ती अवस्था में 100, 200 और 400 ग्राम / हेक्टेयर की दर से इमाजेटापायर छिड़काव किया गया। इ. कोलोना के कुछ जैवरूपों में सामान्य से चार गुना मात्रा तक इमाजेटापायर के खिलाफ प्रतिरोध देखा गया। इ. कोलोना के तीन (8, 66, 77) इमाजेटापायर प्रतिरोधी जैवरूप तथा एक अप्रतिरोधी जैवरूप (डी डब्लू आर) के ताजा पत्तों से संशोधित सी.टी.ए.बी. विधि का उपयोग कर जीनोमिक डी.एन.ए. को अलग किया गया। अगरोज जेल वैद्युतकण संचलन के द्वारा अलग किया गया जीनोमिक डीएनए की गुणवत्ता को जाँचा गया। इ. कोलोना के एएलएस (एसीटो लैक्टेट सिन्थेस) जीन के प्रति विशिष्ट ओवरलैपिंग प्राइमरों को बनाया गया है। इमाजेटापायर प्रतिरोध के न्यूक्लियोटाइड स्तर पर आणविक आधार को समझने के लिए प्रतिरोधी और अतिसंवेदनशील जैवरूपों से अलग किया गया एएलएस जीन को प्रवर्धित और अनुक्रमित किया जाएगा।

Studies on molecular basis of herbicide resistance in *Echinochloa colona*

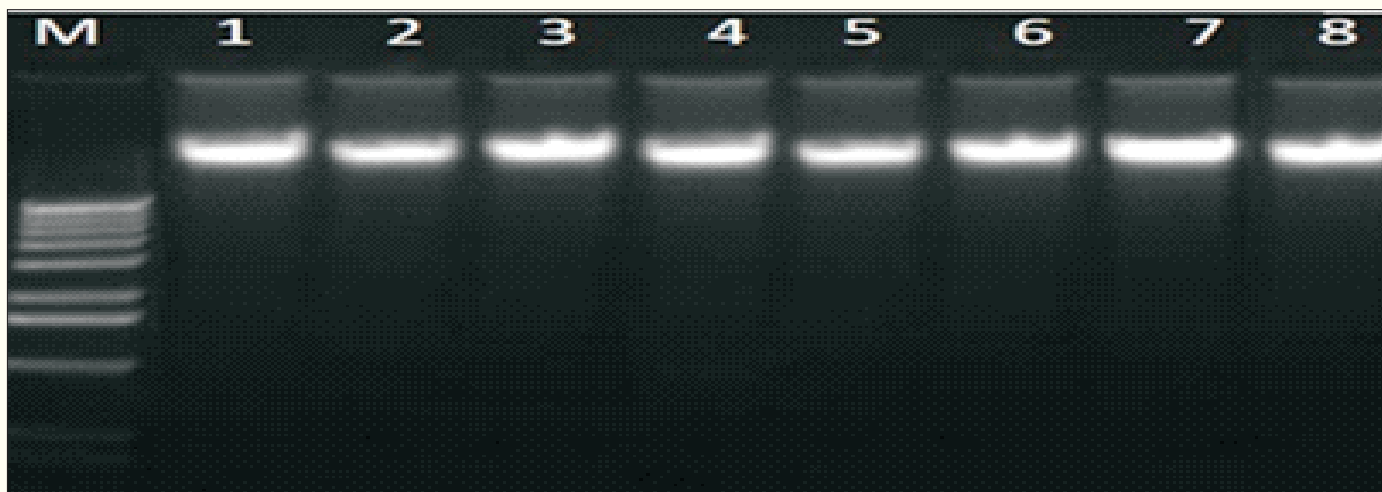
Deepak Pawar, Shobha Sondhia and Subhash Chander

Weeds resistance to herbicides is a normal and predictable outcome of natural selection. In that context, rare mutations that confer herbicide resistance exist in wild/weed populations before any herbicide introduction. These mutations increase over the period of time after each herbicide application when they become predominant the weed population is called as herbicide resistant.

For understanding the molecular basis of imazethapyr resistance in *Echinochloa colona*, biotypes from 20 soybean growing districts of Madhya Pradesh, viz. Indore, Ujjain, Dhar, Ratlam, Mandsaur, Agar, Rajgarh, Shajapur, Bhopal, Damoh, Sagar, Tikamgarh, Chhattarpur, Ashok Nagar, Guna, Dewas, Harda, Sehore, Hoshangabad and Raisen were used. Seeds of *E. colona* were sown in plastic pots. The 4-5 leaf stage plants were treated with imazethapyr at 100, 200 and 400 g/ha. Some biotypes of *E. colona* showed resistance to imazethapyr upto 4X dose. Genomic DNA was isolated from the freshly collected leaves of three imazethapyr resistant biotypes (8, 66, 77) and one susceptible biotype (DWR), using the modified CTAB method. Quality of the isolated genomic DNA was checked by performing agarose gel electrophoresis. Overlapping pairs of primers specific to the ALS (Acetolactate synthase) gene of *E. colona* have been synthesized. For understanding the molecular basis of imazethapyr resistance at nucleotide level ALS gene will be amplified and sequenced from both resistant and susceptible biotypes.



इकाईनोक्लोआ कोलोना की इमाजेटापायर प्रतिरोधी और अतिसंवेदनशील जैवरूपों
Imazethapyr resistant and susceptible biotypes of *Echinochloa colona*



इकाईनोक्लोआ कोलोना के इमाजेटापायर प्रतिरोधी और अतिसंवेदनशील जैवरूपों से निकाला गया जीनोमिक डी.एन.ए.
Genomic DNA isolated from imazethapyr resistant and susceptible biotypes of *Echinochloa colona*

आयोजित कार्यक्रम / Programmes organized

फार्मर फर्स्ट कार्यक्रम के संस्थान सलाहकार समिति की बैठक

डॉ पी.के. सिंह, निदेशक (कार्यकारी) की अध्यक्षता में 29 जुलाई, 2020 को संस्थान सलाहकार समिति की बैठक हुई थी। बैठक में प्रदान अन्वेषक सभी को सह-अन्वेषक, परियोजना स्टाफ और दो किसान प्रतिनिधियों ने भाग लिया। परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ आर.पी. दुबे ने विभिन्न मॉड्यूल के तहत अब तक की गई गतिविधियों का एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। किसान प्रतिनिधियों ने अपना अनुभव सुनाया और परियोजना के हस्तक्षेपों जैसे चावल, गेहूँ, मूंग और उड़द में नये शाकनाशियों का उपयोग करके बेहतर खरपतवार प्रबंधन गेहूँ, मूंग और उड़द में संरक्षित कृषि तकनीक गेहूँ के बाद परती भूमि में ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की खेती, दूध का उत्पादन और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए पशु खनिज मिश्रण का उपयोग, मशरूम की खेती, और मुर्गी पालन के बारे में अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि धान और गेहूँ के अवशेषों को खेत में जलाने की प्रथा काफी कम हो गई है। उन्होंने ग्रीष्मकालीन दालों में कीट का हमला की गंभीर समस्या पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि कोविड-19 महामारी के दौरान खेत मजदूर की अनुपलब्धता के कारण, किसानों ने खड़ीमूंग और उड़द फसलों में पैराक्वाट का छिड़काव किया ताकि आसानी से कटाई हो सके। उनसे कहा गया कि भविष्य में ऐसी हानिकारक प्रथा को न दोहराएं। एफएफपी में 2020-21 के दौरान किए जाने वाले गतिविधियों को तैयार करने के लिए चर्चा हुई।



अनुसूचित जाति उप-योजना के तहत पौधे का वितरण

योजना का मूल उद्देश्य अनुसूचित जाति के किसानों की पारिवारिक आय और जीवन स्तर में सुधार करना है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, 05 अगस्त, 2020 को मझौली, पनागर और कंटगी इलाके के 148 किसानों को आम, अमरुद, नींबू आदि फलों के पौधों का वितरण किया गया। लाभार्थी किसान भारत सरकार के अनुसूचित जाति उप-योजना के तहत गोद लिया गया रायपुरा, मोहनिया, इमलाई, केवलारी, डूंगरिया, बिरुआ, झगड़ी और सुहजनी गांवों के हैं। किसानों से अपील की गई कि वे फल की खेती को एक अतिरिक्त आय के स्रोत के रूप में अपनाएं।

Meeting of Institute Advisory Committee of Farmer FIRST Programme

The IAC meeting was held on 29-7-2020 under the Chairmanship of Dr. PK Singh, Director (Acting). All the Co-PIs, the project staff and two farmer representatives participated in the meeting. Dr. RP Dubey, PI of the project presented a brief account of the activities conducted so far under different modules. The farmer representatives narrated their experience and expressed their happiness about the impact made by the project interventions like improved weed management using new herbicides in rice, wheat, greengram and blackgram, CA practice in wheat and greengram/blackgram, growing summer greengram/blackgram in fallows after wheat, use of cattle mineral mixture for enhancing milk yield and quality, mushroom cultivation, and poultry farming. They informed that the practice of rice and wheat residue burning in field has considerably gone down. They highlighted the problem of severe infestation of insect-pests in summer pulses. They also mentioned that due to unavailability of farm labourer during Covid-19 pandemic, farmers sprayed paraquat to forcefully defoliate standing greengram and blackgram crops for easy harvesting. They were told to not repeat such harmful practice in future. Discussion was held for formulating the activities in FFP to be undertaken during 2020-21.



Distribution of saplings under SCSP

The basic aim of the plan is to improve family income and living standard of Scheduled Caste farmers. To fulfill the given objective, saplings of fruit-plants like mango, guava, lime & lemon, etc were distributed to 148 farmers of Majholi, Panagar and Katni localities on 05 August, 2020. The beneficiary farmers belonged to the Raipura, Mohania, Imlai, Kewlari, Dungaria, Birua, Jhagri and Suhjani villages adopted under Government of India Scheduled Caste Sub-Plan. Farmers were appealed to adopt fruit farming as an additional source of income.



गाजरघास जागरूकता सप्ताह

निदेशालय ने 16-22 अगस्त, 2020 के दौरान देशव्यापी 'गाजरघास जागरूकता सप्ताह' का आयोजन किया, जिसमें एआईसीआरपी-खरपतवार प्रबंधन के सभी केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र, राज्य कृषि विश्वविद्यालय, भा.कृ.अनु.प. संस्थानों, राज्य के कृषि विभाग, गैर सरकारी संगठन, नगरपालिका, स्कूल, कॉलेज, आदि शामिल थे। इस अवसर के लिए पोस्टर और विस्तार सामग्री की सॉफ्ट प्रतियां विकसित की गईं, और इस खरपतवार के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए कुछ गतिविधियों का संचालन करने की अपील के साथ लगभग 1400 हितधारकों को भेजा गया। 'पार्थेनियम के जैविक नियंत्रण के लिए बायोएजेंट *जाइगोग्रामा बाइकोलोराटा* का मास मल्टिप्लिकेशन' के विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। देश भर के विभिन्न जिलों में हितधारकों ने ऑनलाइन व्याख्यान, फोटो प्रदर्शनियों, किसानों की बैठकों, छात्रों की रैलियों, पार्थेनियम उखाड़ना, *जाइगोग्रामा* बीटल के वितरण आदि जैसी कई गतिविधियों का आयोजन किया। इस तरह की जागरूकता गतिविधियों ने प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को आकर्षित किया, और समाचार पत्रों और समाचार चैनलों में व्यापक कवरेज मिला। जागरूकता पैदा करने के लिए यूट्यूब, फेसबुक, व्हाट्सएप आदि जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भी उपयुक्त उपयोग किया गया।



हिंदी पखवाड़ा-2020

हिंदी पखवाड़ा मनाने के लिए 14-29 सितंबर, 2020 के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। 14 सितंबर को हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया। निदेशक ने कृषि और किसान कल्याण मंत्री (भारत सरकार) एवं ग्राम विकास और पंचायती राज मंत्री (भारत सरकार) श्री नरेंद्र सिंह तोमर, कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री (भारत सरकार) श्री कैलाश चौधरी, एवं डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर और महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प.द्वारा भेजे गए संदेशों को पढ़ा।



Parthenium Awareness Week

The Directorate organized country-wide 'Parthenium Awareness Week' during 16-22 August, 2020 by involving all the centres of AICRP Weed Management, Krishi Vigyan Kendras, State Agricultural Universities, ICAR institutes, State Agricultural Departments, NGOs, municipalities, schools, colleges, etc. Soft copies of posters and extension materials were developed for this occasion and sent to about 1400 stakeholders, with an appeal to observe some activities for making public aware about this weed. A webinar was organized on the topic 'Mass multiplication of bioagent *Zygogramma bicolorata* for biological control of Parthenium'. Stakeholders in different districts across the country organized many activities like online lectures, photo exhibitions, farmers' meetings, students' rallies, uprooting of Parthenium, releasing and distribution of *Zygogramma* beetle, etc. Such awareness activities attracted print and electronic media, and thereby the events got wide coverage in newspapers and news channels. Social media platforms like Youtube, Facebook, WhatsApp, etc. were also used suitably to create



Hindi Pakhwada-2020

Various events were organized during 14-29 September, 2020 to celebrate Hindi Pakhwada. Hindi Diwas activities were organized on 14 September, which was attended by all the scientists, officers and other staffs. The Director read the messages sent by Shri Narendra Singh Tomar, hon'ble minister of Agriculture & Farmers Welfare (GOI) and of Village Development & Panchayati Raj (GOI), Shri Kailash Chaudhary, hon'ble minister of state of Agriculture & Farmers Welfare (GOI), and Dr. Trilochan Mohapatra, Secretary, DARE & DG, ICAR.

वैज्ञानिकों, अधिकारियों और अन्य स्टाफ सदस्यों ने निबंध लेखन, नोटिंग, पत्र लेखन, वाद-विवाद आदि कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह 29 सितंबर, 2020 को आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जबलपुर के ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वर्षा बहनजी ने भाग लिये। कार्यालय के काम में हिंदी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहन के रूप में तीन नकद पुरस्कार (प्रथम, द्वितीय और तृतीय) दिए गए। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किये गए। जिस अनुभाग ने हिंदी में सबसे अधिक काम किया, उसे एक चलित ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर, मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य लोगों के साथ निदेशक ने इस निदेशालय द्वारा प्रकाशित वार्षिक हिंदी पत्रिका 'तृणसंदेश' नंबर 15 का विमोचन किया।

The scientists, officers and other staff members participated actively in the events like essay writing, noting, letter writing, debate, etc. The closing ceremony of Hindi Pakhwada was organized on 29 September, 2020, which was attended by Rajyogini Brahmakumari Varsha Bahenji of Brahmakumari Ishwariya Vishwavidyalaya, Jabalpur as Chief Guest. Three numbers of cash prizes (first, second and third) were given as a token of encouragement for using hindi in office work. Winners of the various competitions were given certificates and mementoes. The section which did highest amount of works in hindi was honoured with a running trophy. On this occasion, the Director along with Chief Guest and other dignitaries released the yearly hindi magazine 'Trin Sandesh' No. 15 published by this Directorate.



गांधी जयंती समारोह

महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में 26 सितंबर से 02 अक्टूबर, 2020 के दौरान स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर 29 सितंबर, 2020 को राजयोगिनी वर्षा बहन, ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, जबलपुर द्वारा 'महिला सशक्तिकरण और आध्यात्मिक विचार' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया था। डॉ सुशील कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, ने महात्मा गांधी जी की कृषि दर्शन पर 30 सितंबर, 2020 को व्याख्यान दिया। दिनांक 01 अक्टूबर, 2020 को 'कृषि दर्शन और ग्रामीण विकास पर गांधी के विचार' विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। दिनांक 02 अक्टूबर, 2020 को श्री राजेंद्र चंद्रकांत राय, एक प्रसिद्ध लेखक को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया और उनसे महात्मा गांधी के दर्शन के बारे में कर्मचारियों को अवगत कराने का अनुरोध किया गया। श्री राय ने बापू की कार्यवाही और काम से संबंधित कई प्रसंग सुनाए जिसके माध्यम से बापू ने किसानों और आम आदमी के जीवन को प्रभावित किया, और बाद में स्वतंत्रता का मार्ग खोला। डॉ पी.के. सिंह, निदेशक (कार्यकारी) ने गांधी जी के जीवन एवं अहिंसा और सत्याग्रह के माध्यम से स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए उनकी यात्रा के बारे में बात की।

Anniversary of Mahatma Gandhi

Series of events, viz. cleanliness drive, plantation, debate competition, etc. were organized during 26 September to 02 October, 2020 to commemorate 150th birth anniversary of Mahatma Gandhi. On this occasion a lecture by Rajyogini Varsha Behen, Brahmakumari Ishwariya Vishwavidhyalay, Jabalpur on 'women empowerment and spiritual thought' was organized on 29 September, 2020. Dr. Sushil Kumar, Pr. Scientist, delivered a lecture on 'Mahatma Gandhi ji ka Krishi Darshan' on 30 September, 2020. On 01 Oct, 2020 a speech competition was organized on the topic 'Gandhi's view on Agriculture philosophies and rural development'. On 02 October, 2020 Shri Rajendra Chandrakant Rai, a famous writer was invited as Chief Guest and requested to enlighten the gathering about Mahatma Gandhi's philosophy. Mr Rai narrated many events of Bapu's action and work, which impacted the life of farmers and common man, and subsequently opened the way of independence. Dr. PK Singh, Director (Acting), talked about Gandhi's life and his journeys to achieve freedom through Ahinsa and Satyagrah.



ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

‘भा.कृ.अनु.प कर्मचारियों की कार्य क्षमता बढ़ाने के लिए प्रभावी स्वास्थ्य प्रबंधन’ पर प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु 07-08 अक्टूबर, 2020 के दौरान ऑनलाइन-व्याख्यान की व्यवस्था की गई थी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी, सहायक कर्मचारी, संविदा कर्मचारी, अनुसंधान सहयोगी, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता और निदेशालय के युवा पेशेवरों सहित कुल 110 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रत्येक सत्र के अंत में कर्मचारियों ने आमंत्रित वक्ताओं के साथ बातचीत की थी।



Online Training Programme

Online-lectures for conducting training program on “Effective Health Management for Enhancing Work Efficiency of ICAR Employees” were arranged during 07-08 October, 2020. A total of 110 participants including Scientists, Technical staffs, Supporting staffs, Contractual staffs, RAs, SRFs and Young Professionals of the Directorate participated in this training programme. The staff had productive interactions at the end of each session with the invited speakers.



दिनांक और समय Date & time	विषय Topic	अतिथि वक्ता Guest Speaker
07 अक्टूबर, 2020 (सुबह) 07 October, 2020 (F.N)	शारीरिक स्वास्थ्य प्रबंधन Physical health management	डॉ. डी.यू. पाठक, शैलबी अस्पताल, जबलपुर Dr. DU Pathak, Shalby Hospital, Jabalpur
07 अक्टूबर, 2020 (दोपहर) 07 October, 2020 (A.N)	सकारात्मक सोच और प्रेरणा Positive thinking and motivation	श्री अजय तिवारी, योग शिक्षक, जबलपुर Sh. Ajay Tiwari, Yoga teacher, Jabalpur
08 अक्टूबर, 2020 (सुबह) 08 October, 2020 (F.N.)	मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य प्रबंधन Mental and spiritual health management	डॉ. निधेश कुमार यादव, पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार Dr. Nidheesh Kumar Yadav, Patanjali University, Haridwar
08 अक्टूबर, 2020 (दोपहर) 08 October, 2020 (A.N.)	तनाव प्रबंधन Stress management	डॉ. ज्योति मिश्रा, लाइफ केयर नेचुरोपैथी रिसर्च सेंटर, जबलपुर Dr. Jyoti Mishra, Life Care Naturopathy Research Centre, Jabalpur

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

दिनांक 27 अक्टूबर 2020 को सुबह 11.30 बजे निदेशक द्वारा सभी कर्मचारियों को ‘सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा’ की शपथ दिलाई गई। इस अवसर को मनाने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डॉ. आर.पी. दुबे, प्रधान वैज्ञानिक और सतर्कता अधिकारी, ने ‘निवारक सतर्कता’ पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया।

Vigilance Awareness Week

The integrity pledge was administered to the staff by the Director on 27 October at 11:30 am. To celebrate the occasion, various competitions were organized. Dr. R.P. Dubey, PS and Vigilance Officer, delivered a detail lecture on 'Preventive Vigilance'.

विभिन्न प्रकार की भ्रष्ट प्रथाओं को उजागर करते हुए, उन्होंने अधिकारियों और सभी कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे संगठन और देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने में मदद करने के लिए सतर्क रहें। लगभग 1000 किसानों और अन्य को भेजे गए थोक एसएमएस के माध्यम से भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने की अपील की गई थी। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के कार्यक्रम के समापन पर डॉ. दुबे ने इस अवधि के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. पी.के. सिंह, निदेशक (कार्यकारी) ने सभी से समाज में भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण बनाए रखने की अपील की। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।



While highlighting the different types of corrupt practices, he urged the officers and all employees to remain vigilant for helping the organization and the country to become corruption free. An appeal to root out corruption was made through Bulk SMS sent to about 1000 farmers and others. On concluding programme for Vigilance Awareness Week, Dr. Dubey presented a report on the various activities organized during the awareness week. Dr. PK Singh, Director (Acting) also appealed to all to maintain corruption free environment in the society. The winners of the competitions were presented with a certificate and memento.



सांप्रदायिक सदभाव अभियान सप्ताह और झंडा दिवस

राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सदभाव प्रतिष्ठान, नई दिल्ली के निर्देशानुसार निदेशालय में साम्प्रदायिक सदभाव अभियान सप्ताह (19-25 नवंबर, 2020) मनाया गया। इसी तारतम्य में दिनांक 25 नवंबर, 2020 को झंडा दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. पी.के. सिंह, निदेशक (कार्यकारी), ने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सदभाव प्रतिष्ठान के गठन एवं प्रासंगिकता के बारे में बताया। श्री सुजीत कुमार वर्मा, प्रशासनिक अधिकारी ने साम्प्रदायिक सदभाव अभियान सप्ताह के मुख्य उद्देश्यों के बारे में बताया। श्री आर. हाडगे, सहायक प्रशासनिक अधिकारी ने राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सदभाव प्रतिष्ठान, नई दिल्ली द्वारा प्रेषित बुकलेट को विस्तार से पढ़ा।



Communal Harmony Campaign Week and Flag Day

As per the direction of the National Foundation for Communal Harmony, New Delhi the directorate celebrated Communal Harmony Week during 19-25 November, 2020 and organized Flag Day on 25 November, 2020. On this occasion Dr. PK Singh, Director (Acting), addressed the gathering about the constitution and importance of National Foundation for Communal Harmony. Mr. SK Verma, Administrative Officer highlighted the purpose of the communal harmony campaign. Sh. R Hadge, Asstt. Administrative Officer talked in detail about the booklet given by NFCH.



संविधान दिवस समारोह

परिषद के निर्देशों के अनुसार, भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में एवं संविधान के संस्थापक पिता के योगदान को सम्मान देने और स्वीकार करने के लिए 26 नवंबर, 2020 को निदेशालय द्वारा संविधान दिवस मनाया गया। इस दिन 11.00 बजे भारत के माननीय राष्ट्रपति के नेतृत्व में निदेशालय के सभी अधिकारी संविधान की प्रस्तावना का पठन में शामिल हुए।



Constitution Day Celebration

As per directions of the Council, Constitution Day was celebrated on 26th November, 2020 at the Directorate to commemorate the adoption of the Constitution of India and to honour & acknowledge the contribution of the Founding Fathers of the Constitution. All the officials of the Directorate joined the reading of the 'Preamble' to the Constitution, led by Hon'ble President of India at 11.00 AM on this day.

विश्व मृदा दिवस

दिनांक 05 दिसम्बर, 2020 को निदेशालय में 'विश्व मृदा दिवस' मनाया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की लगभग 100 महिला कृषकों के अलावा कृषि वैज्ञानिकों ने भाग लिया। डॉ. जे.एस.मिश्र, निदेशक ने अपने उद्बोधन में मृदा स्वास्थ्य हेतु संतुलित पोषण पर जोर दिया, साथ ही संरक्षित खेती अपनाने व खेतों में होने वाले खरपतवारों से खाद बनाने की विधि के बारे में बताया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. के.के. बर्मन, प्रधान वैज्ञानिक ने विश्व मृदा दिवस समारोह की पृष्ठभूमि के बारे में बात की। डॉ. पी.के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने सबका स्वागत करते हुये मृदा स्वास्थ्य को सुधारने की आवश्यकताओं एवं विधियों पर बल दिया साथ ही मृदा में रसायनों के उपयोग से होने वाले प्रदूषण को रोकने जानकारी प्रदान की। डॉ. सुशीलकुमार (प्रधान वैज्ञानिक) ने मृदा स्वास्थ्य की बिगड़ती स्थिति और उत्पादकता पर इसके प्रभाव के बारे में बात की। कार्यक्रम के दौरान किसानों के बीच जैव उर्वरक वितरित किए गए।



World Soil Day

Directorate celebrated the 'World Soil Day-2020' on 05 December, 2020. Around 100 participants from the nearby villages attended the programme. In his inaugural speech, Dr. JS Mishra, Director, highlighted the importance of balanced fertilization and conservation agriculture for better soil health. He also talked about the compost making by using weed biomass and farm wastes. Dr. KK Barman, Pr. Scientist and Convener of the programme talked about the background history of World Soil Day celebration. Dr. PK Singh (Pr. Scientist) addressed the gathering and highlighted about issues relating to soil pollution due to different agro-chemical application and necessary steps that may be taken up the farmers for improving soil health. Dr. Sushil Kumar (Pr. Scientist) talked about the deteriorating soil health condition and its implication on productivity. During the programme biofertilizers were



सुरक्षित एवं सतत् खरपतवार प्रबंधन के लिए रणनीतियों पर हितधारकों का संवाद: एक कदम आगे

निदेशालय ने ट्रस्ट फॉर एडवांसमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज (टास), भा.कृ.अनु.प. के प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विभाग और इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस के सहयोग से 09 दिसंबर, 2020 को 'सुरक्षित एवं सतत् खरपतवार प्रबंधन के लिए रणनीतियों पर हितधारकों का संवाद: एक कदम आगे' का आयोजन किया। कुशल प्रबंधन के माध्यम से खरपतवारों के कारण होने वाले नुकसान को कम करने के संभावित तरीके, शाकनाशियों के सुरक्षित और सतत उपयोग के लिए रणनीति और शाकनाशी नियामक प्रणालियों पर नीतियों, चर्चा के प्रमुख विषय थे।

Stakeholders Dialogue on Strategies for safe and Sustainable Weed Management: A way forward

The Directorate in association with the Trust for Advancement of Agricultural Sciences (TAAS), the Natural Resource Management division of ICAR and the Indian Society of Weed Science organized a virtual 'Stakeholders Dialogue on Strategies for safe and Sustainable Weed Management: A way forward' on 09 December, 2020. Possible ways to reduce losses due to weeds through their efficient management, strategy for safe and sustainable use of herbicides and the policies on herbicide regulatory systems were the major area of discussion.

केंद्र और राज्य सरकारों, भा.कृ.अनु.प., राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, सीजीआईआर केंद्रों, वैज्ञानिक संस्थानों और निजी क्षेत्रों के 124 प्रतिभागियों ने एक मंच पर "सतत भोजन, पोषण और पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में खरपतवार प्रबंधन" विषय में विज्ञान आधारित किसान केंद्रित रणनीति पर विचार विमर्श में भाग लिया। खरपतवार प्रबंधन से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण और सामयिक सिफारिशें इस गहन चर्चा कार्यक्रम में सामने आईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. आर.एस. परोदा, अध्यक्ष, टास और सह-अध्यक्षता डॉ. एस.के. चौधरी, उप महानिदेशक (प्रा.सं.प्र.), भा.कृ.अनु.प. ने की।



स्वच्छता पखवाड़ा

दिनांक 16 दिसंबर, 2020 को स्वच्छता पखवाड़ा शुरू किया गया और 16-31 दिसंबर, 2020 के दौरान विभिन्न गतिविधियों का संचालन/आयोजन किया गया। निदेशालय परिसर में आयोजित गतिविधियों में सभी कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता प्रतिज्ञा लेना, पौध रोपाई, प्रमुख स्थानों पर स्वच्छता पखवाड़ा बैनर का प्रदर्शन, कार्यालय भवन और परिसर का बुनियादी रखरखाव, आसपास के नागरिकों तथा किसानों को आमंत्रित करके कृषि/बागवानी/रसोई उद्यानों के लिए जल संचयन एवं अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण पर जागरूकता पैदा करना, कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए स्वच्छता का महत्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता, और किसान दिवस का आयोजन आदि शामिल था। इस अवसर पर ग्राम पडुआ, कटनी जिला (म.प्र.) के प्रगतिशील किसान श्री राजेश पटेल को उनके इलाके में 50 एकड़ के क्षेत्र के एक सामुदायिक तालाब की सफाई की पहल के लिए निदेशालय द्वारा सम्मानित किया गया। तालाब सालवेनिया नामक जलीय खरपतवार से अत्यधिक प्रभावित था, जिसे निदेशालय द्वारा प्रदान किए गए जैव-एजेंट का उपयोग करके नियंत्रित किया गया था। महाराजपुर और सुहागी कॉलोनियों, अधरताल तालाब, कथोंडा इलाके में सामुदायिक अपशिष्ट निपटान/लैंडफिल साइट और ठोस अपशिष्ट उपचार संयंत्र, रानी दुर्गावती किला और बैलेंसिंग रॉक क्षेत्र, सिंगलदीप गांव और बरगी इलाके जैसे कई बाहरी स्थानों पर जागरूकता अभियान और स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। प्रख्यात भू-वैज्ञानिक डॉ. एस.डी. पिंपरीकर (सेवानिवृत्त) ने 30 दिसंबर, 2020 को आयोजित समापन समारोह कार्यक्रम में भाग लिया। निदेशालय द्वारा की गई गतिविधियों को स्थानीय समाचार पत्रों में व्यापक प्रचार मिला।



Swachhta Pakhwada

The Swachhta Pakhwada was launched on 16 December, 2020 and various activities were undertaken / organized during 16-31 December, 2020. The activities conducted in the Directorates premises included taking Swachhta pledge by all staff, planting of saplings, display of Swachhta Pakhwada banners in prominent places, basic maintenance of office building and premises, creating awareness on recycling of waste water and water harvesting for agriculture/ horticulture /kitchen gardens by inviting nearby people/farmers, speech competition on the topic 'Importance of cleanliness for preventing spread of corona virus', and organizing Kisan Diwas. On this occasion Sh. Rajesh Patel, a progressive farmer from Village Padua, Katni district, M.P. was honoured by the Directorate for his initiative of cleaning a community pond of an area of 50 acres in his locality. The pond was highly infested by the aquatic weed Salvinia, which was controlled by using the bio-agent provided by the directorate. Awareness campaign and cleanliness drive was also organized at several outside locations like Maharajpur and Suhagi colonies, Adhartal pond, community waste disposal/ Landfill site & solid waste treatment plant at Kathonda locality, Rani Durgavati Kila and Balancing rock area, Singaldeep village and Bargi locality. The eminent Geo-Scientist Dr. SD Pimprikar (retd.) attended the closing ceremony of the programme organized on 30 December, 2020. The activities carried out by the Directorate received wide publicity in the local newspapers.

विशिष्ट आगंतुक / Distinguished visitors

- राजयोगिनी वर्षा बहन, ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, जबलपुर (29 सितंबर, 2020)
- श्री राजेंद्र चंद्रकांत राय, प्रसिद्ध लेखक, जबलपुर (2 अक्टूबर, 2020)
- श्री लक्ष्मीकांत शर्मा, वरिष्ठ लेखक और प्रेस रिपोर्टर, जबलपुर (2 अक्टूबर, 2020)
- श्री एस.डी. पम्प्रीकर, भारतीय भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग के भूतपूर्व वरिष्ठ भूवैज्ञानिक, जबलपुर (30 दिसंबर 2020)
- Rajyogini Varsha Behen, Brahmakumari Ishwariya Vishwavidhyalaya, Jabalpur (29 September, 2020)
- Shri Rajendra Chandrakant Rai, A Famous Writer, Jabalpur (2 October, 2020)
- Shri Laxmikant Sharma, Senior Writer & Press Reporter, Jabalpur (2 October, 2020)
- Shri SD Pimprikar, Ex Senior Earth Scientist in Geological Survey of India, Jabalpur (30 December 2020)

मानव संसाधन विकास / Human Resource Development

सेमिनार / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाओं में भागीदारी

- श्री पंकज शुक्ला (स.मु.तक.अ.), श्री एस.के. वर्मा (प्र.अ.), श्री आर. हडगे (स.प्र.अ.) और श्री एम.एस. हेडाऊ (स.वि.ले.अ.), श्री टी. लखेरा (सहायक), श्री एम.के. गुप्ता (निजी सहायक) और श्री एफ. जेवियर (सीनियर क्लर्क) ने 24 जुलाई, 2020 को भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं. नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'भा.कृ.अनु.प.-ई.आर.पी में मानकीकृत योजना प्रक्रिया पर संवेदीकरण कार्यशाला' में भाग लिया।
- डॉ. डी.वी. पवार (वैज्ञानिक) ने भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.जैवप्रौ.सं., रांची द्वारा 28 नवंबर, 2020 को आयोजित 'कृषि में बौद्धिक संपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय कार्यशाला' में शामिल हुए।
- डॉ. एस. सौंधिया (प्रधान वैज्ञानिक), डॉ. योगिता घरडे (वैज्ञानिक), श्रीमती निधि शर्मा (निजी सचिव) और श्रीमती इति राठी (टी 3) दिनांक 15 दिसंबर, 2020 को भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कार्यस्थल पर महिलाओं की यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 की अधिसूचना की 7 वीं वर्षगांठ मनाने के लिए लिंग संवेदीकरण पर कार्यशाला' में भाग लिया।
- डॉ. डी.वी. पवार (वैज्ञानिक) 30 दिसंबर, 2020 को भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ. जैवप्रौ.सं., रांची द्वारा आयोजित 'पर्यावरण प्रबंधन में आधुनिक हस्तक्षेप पर राष्ट्रीय कार्यशाला' में शामिल हुए।

प्रशिक्षण में भागीदारी

- डॉ. वी.के. चौधरी (वरिष्ठ वैज्ञानिक) ने 07-10 जुलाई, 2020 के दौरान भा.कृ. अनु.प.-रा.कृ.अनु.प्र. अकादमी, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'ए.बी.एस. दिशानिर्देशों के उन्मुखीकरण-सह-जागरूकता और कार्यान्वयन पर एम. डी.पी.' में भाग लिया।
- डॉ. पी.के. सिंह (प्रधान वैज्ञानिक), श्री एस.के. वर्मा (प्र.अ.), श्री आर. हडगे (स. प्र.अ.) और श्री एम.एस. हेडाऊ (स.वि.ले.अ.) ने 16 जुलाई, 2020 को व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय (भारत सरकार), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'पी.एफ. एम.एस. के माध्यम से स्वायत्त निकायों के लिए टी.एस.ए. प्रणाली के ढांचे' पर प्रशिक्षण में भाग लिया।
- डॉ. आर.पी. दुबे (प्रधान वैज्ञानिक) ने 05-07 अगस्त, 2020 के दौरान भा.कृ. अनु.प.-रा.कृ.अनु.प्र.अकादमी, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'भा.कृ.अनु.प. संस्थानों के प्रसतर्कता अधिकारीओं के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला' में शामिल हुए।
- श्री आर.एस. उपाध्याय (मु.तक.अ.), श्री आर.हडगे (स.प्र.अ.) और श्री एम.एस. हेडाऊ (स.वि.ले.अ.) ने 26-28 अगस्त, 2020 के दौरान वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा द्वारा आयोजित 'विकास कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सुशासन पर प्रशिक्षण' में भाग लिया।
- डॉ. वी.के. चौधरी (वरिष्ठ वैज्ञानिक) और डॉ. डी.वी. पवार (वैज्ञानिक) ने 12-28 सितंबर, 2020 के दौरान एनएचईपी और आईपी एंड टीएम यूनिट, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'भारत में कृषि अनुसंधान और शिक्षा में बौद्धिक संपदा अधिकार पर प्रशिक्षण' में भाग लिया।
- डॉ. एस.सौंधिया (प्रधान वैज्ञानिक) ने 12-16 अक्टूबर, 2020 के दौरान संस्था विकास केंद्र (सेंटर फॉर ऑर्गनाइजेशन डेवलपमेंट), हैदराबाद द्वारा आयोजित किया गया 'महिला वैज्ञानिकों / प्रौद्योगिकीविदों के लिए नेतृत्व

Participation in Seminars/ Symposia/ Conferences/ Workshops

- Mr. Pankaj Shukla (ACTO), Mr. SK Verma (AO), Mr. R Hadge (AAO), Mr. MS Hedau (AFAO), Mr. T Lakhera (Asstt), Mr. MK Gupta (PA) and Mr. F Xavier (Sr. Clerk) attended 'Sensitization workshop on Standardized Scheme Process in ICAR-ERP' organized by ICAR-IASRI, New Delhi on 24 July, 2020
- Dr. DV Pawar (Scientist) attended 'National Workshop on Intellectual Property Management in Agriculture' organized by ICAR-IIAB, Ranchi on 28 November, 2020
- Dr. S Sondhia (Pr. Scientist), Dr. Yogita Gharde (Scientist), Mrs. Nidhi Sharma (PS) and Mrs. Iti Rathi (T3) attended 'Workshop on Gender Sensitization to Celebrate 7th Anniversary of Notification of The Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013' organized by ICAR, New Delhi on 15 December, 2020
- Dr. DV Pawar (Scientist) attended 'National Workshop on Modern Interventions in Environmental Management' organized by ICAR-IIAB, Ranchi on 30 December, 2020

Participation in Training

- Dr. VK Choudhary (Sr. Scientist) attended 'MDP on Orientation-cum-Awareness and implementation of ABS Guidelines' organized by ICAR-NAARM, Hyderabad during 07-10 July, 2020
- Dr. PK Singh (Pr. Scientist), Mr. SK Verma (AO), Mr. R Hadge (AAO) and Mr. MS Hedau (AFAO) attended training on Framework of TSA System for Autonomous Bodies through PFMS organized by Department of Expenditure, Ministry of Finance (GoI), New Delhi on 16 July, 2020
- Dr. RP Dubey (Pr. Scientist) attended 'Training Workshop for Vigilance Officers of ICAR Institutes organized by ICAR-NAARM, Hyderabad during 05-07 August, 2020
- Mr. RS Upadhyay (CTO), Mr. R Hadge (AAO) and Mr. MS Hedau (AFAO) attended the 'Training on Good Governance for Effective Implementation of Development Programme' organized by VV Giri National Labour Institute, Noida during 26-28 August, 2020
- Dr. VK Choudhary (Sr. Scientist) and Dr. DV Pawar (Scientist) attended the 'Training on Intellectual Property Right in Agricultural Research and Education in India' organized by NAHEP and IP&TM Unit, ICAR, New Delhi during 12-28 September, 2020
- Dr. S Sondia (Pr. Scientist) attended 'Training on Leadership and Organization Development for Women Scientists /Technologists' organized by Centre for Organization Development, Hyderabad during 12-16 October, 2020

- डॉ पी.के. मुखर्जी (प्रधान वैज्ञानिक) ने 09-17 नवंबर, 2020 के दौरान भा.कृ. अनु.प.-रा.कृ.अनु.प्र. अकादमी, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'एस.ए.एस. का उपयोग करके प्रायोगिक डेटा के विश्लेषण पर प्रशिक्षण' में भाग लिया।
- डॉ योगिता घरडे (वैज्ञानिक) ने 23-27 नवंबर, 2020 के दौरान संस्था विकास केंद्र (सेंटर फॉर ऑर्गनाइजेशन डेवलपमेंट), हैदराबाद द्वारा आयोजित 'महिला वैज्ञानिकों/प्रौद्योगिकीविदों के लिए कार्यस्थल पर भावनात्मक समझदारी पर प्रशिक्षण' में भाग लिया।

किसान को सम्मानित किया

निदेशालय द्वारा फार्मर फर्स्ट परियोजना के तहत अपनाए गए बरौदा गाँव के एक छोटे किसान श्री भरत पटेल को 01 सितम्बर, 2020 को अपने 45 वें स्थापना दिवस के अवसर पर, भा.कृ.अनु.प.-रा.कृ.अनु.प्र. अकादमी, हैदराबाद द्वारा "अभिनव किसान पुरस्कार (इनोवेटिव फार्मर अवार्ड) 2020" से सम्मानित किया गया।

पदोन्नति

डॉ सुभाष चंदर, वैज्ञानिक (आर्थिक वनस्पति एवं पादप आनुवंशिक संसाधन) को वेतन स्तर 10 से वेतन स्तर 11 में पदोन्नत किया गया, जो 01 जुलाई 2018 से प्रभावी होगा।

कार्यग्रहण

डॉ जे.एस. मिश्र, दिनांक 27 नवंबर 2020 को, भा.कृ.अनु.प.-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर के निदेशक के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभाली।

सेवानिवृत्ति/स्थानांतरण

- श्री व्ही.के.एस. मेश्राम, टी-7-8, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी अपनी सेवा अवधि पूरी होने पर 31 जुलाई, 2020 को सेवानिवृत्त हुए।
- डॉ दिबाकर घोष, वैज्ञानिक (एग्रोनॉमी) दिनांक 25 अगस्त, 2020 को भा.कृ. अनु.प.-भारतीय जल प्रबंधन संस्थान, भुवनेश्वर में स्थानांतरित हुए।
- डॉ सुभाष चंदर, वैज्ञानिक (आर्थिक वनस्पति और पादप आनुवंशिक संसाधन) दिनांक 25 अगस्त, 2020 को भा.कृ.अनु.प.-रा.पा.आनु.सं. ब्यूरो, नई दिल्ली में स्थानांतरित हुए।

- Dr. PK Mukherjee (Pr. Scientist) attended training on Analysis of Experimental Data using SAS organized by ICAR-NAARM, Hyderabad during 09-17 November, 2020
- Dr. Yogita Gharde (Scientist) attended training on Emotional Intelligence at Workplace for Women Scientists /Technologist organized by Centre for Organization Development, Hyderabad during 23-27 November, 2020

Farmer Awarded

Sh. Bharat Patel, a small farmer from Barouda village adopted by the Directorate under Farmer FIRST Project was conferred with "Innovative Farmer Award 2020" by ICAR-NAARM, Hyderabad on 01 September, 2020 on the occasion of its 45th Foundation Day

Promotion

Dr. Subhash Chander, Scientist (Economic Botany & Plant Genetic Resources) was promoted from Pay level 10 to Pay level 11 w.e.f 01.07.2018

Joining

Dr. JS Mishra joined as the Director of ICAR-Directorate of Weed Research, Jabalpur on 27 November, 2020

Superannuation/Transfer

- Sh. VKS Meshram, T-7-8, Assistant Chief Technical Officer superannuated on 31 July, 2020 on completion of his service period.
- Dr. Dibakar Ghosh, Scientist (Agronomy) got transferred to ICAR-IIWM, Bhubaneswar on 25 August, 2020.
- Dr. Subhash Chander, Scientist (Economic Botany & Plant Genetic Resources) got transferred to ICAR-NBPGR, New Delhi on 25 August, 2020.

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की गतिविधियां / Activities of Rajbhasha Karyanvayan Samiti

- श्री सुजीत कुमार वर्मा, प्रशासनिक अधिकारी ने 30 अगस्त, 2020 को "ई ऑफिस की कार्यप्रणाली" पर हिंदी में व्याख्यान दिया।
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने 05 सितम्बर, 2020 को त्रैमासिक (01 जुलाई-30 सितम्बर, 2020) बैठक का आयोजन किया।
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा कोविड-19 महामारी के दिशा निर्देशों एवं मानक परिचालन प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए दिनांक 14 से 28 सितम्बर, 2020 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया।
- डॉ. शोभा सौधिया, प्रधान वैज्ञानिक ने 30 दिसंबर, 2020 को 'बदलते परिप्रेक्ष्य में कोरोना से बचाव एवं जरूरी सावधानियां' पर हिंदी में व्याख्यान दिया।
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने 23 दिसंबर, 2020 को त्रैमासिक (01 अक्टूबर, 2020 से 31 दिसंबर, 2020) बैठक का आयोजन किया।
- Mr. SK Verma, AO delivered a lecture in hindi on 'Working Process of e-Office' on 30 August, 2020.
- Rajbhasha Karyanvan Samiti organized quarterly (01 July - 30 September, 2020) meeting on 05 September, 2020.
- By following the SOPs of Covid-19 pandemic, Rajbhasha Karyanvan Samiti organized Hindi Pakhwada during 14-28 September, 2020.
- Dr. S Sondhia, Pr. Scientist delivered a lecture in hindi on 'Prevention of Corona in the changing perspective and necessary precautions' on dated 30 December, 2020
- Rajbhasha Karyanvan Samiti organized quarterly (01 October - 30 December, 2020) meeting on 23 December, 2020.

सम्पादकीय मण्डल:

डॉ. के.के. बर्मन, डॉ. विजय कुमार चौधरी

डॉ. योगिता घरडे एवं श्री संदीप धगट

प्रकाशक:

डॉ. जे.एस. मिश्र, निदेशक

भाकृअनुप-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय

जबलपुर - 482004 (म.प्र.)

फोन / Phones: +91-761-2353001, 23535101, 23535138, 2353934, फैक्स / Fax: +91-761-2353129

ई-मेल / Email: dirdwsr@icar.org.in वेबसाइट / Website: http://dwr.icar.gov.in

Facebook Link - <https://www.facebook.com/ICAR-Directorate-of-Weed-Research-101266561775694>

Twitter Link - <https://twitter.com/Dwrlcar> Youtube Link - <https://www.youtube.com/channel/UC9WojNoM0tJalWdLfumMnA>

Editorial Team:

Dr. K.K. Barman, Dr. Vijay Kumar Choudhary

Dr. Yogita Gharde and Mr. Sandeep Dhagat

Published by:

Dr. J.S Mishra, Director

ICAR-Directorate of Weed Research

Jabalpur -482004 (M.P.)